www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240
आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 आतंकवाद के मुकाबिल बदलती अमेरिकी... | 3 पंजाब सरकार नशा छोड़ चुके व्यक्तियों को हुनरमंद... | 4 महिलाओं का आर्थिक रूप से स्वतंत्र व...

वर्षः 9 | अंकः 221 | दिल्ली, गुरुवार, 5 जून 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक : रीजीजू

नई दिल्ली (एजेन्सी)। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति ने इन तारीखों की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि इन सिफारिशों को राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। रीजीजू ने मानसून सत्र की घोषणा ऐसे समय में की है जब विपक्षी दलों के नेता ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करने के लिए सरकार से विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे लिए हर सत्र विशेष सत्र है। रीजीजू ने कहा कि मानसून सत्र में नियमों के तहत सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि दोनों सदनों की कार्य मंत्रणा समिति उन मुद्दों पर निर्णय लेगी जिन पर चर्चा होनी है।

संकल्प, सिद्धि, संघर्ष से नायक बनकर उभरे 'योगी आदित्यनाथ'

उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में हाल के वर्षों में सकारात्मक बदलाव की बयार चल रही है, जिसका श्रेय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ महाराज यानी एक संन्यासी को जाता है, जोकि लगातार दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुए हैं। जिस बदलाव के कार्य को राज्य में बड़े से बड़े दिग्गज धुरंधर राजनेता भी नहीं कर पाए थे, उस कार्य को एक संन्यासी योगी आदित्यनाथ के साहस, दृढ़ संकल्प व दृढ़ इच्छाशक्ति ने चंद वर्ष में करके देश व दुनिया को दिखा दिया है। आपको याद होगा कि जिस उत्तर प्रदेश ने देश को कई प्रधानमंत्री देकर दुनिया में नाम रोशन किया था, उसी उत्तर प्रदेश में एक ऐसा दौर भी आया था जब तत्कालीन राजनैतिक नेतृत्व के चलते उत्तर प्रदेश के वासियों को बहुत असुविधा हुई थी। राज्य के चंद राजनेताओं के आशीर्वाद से लोगों ने वह दौर भी देखा था कि जब देश व दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हम जाकर यह परिचय देते थे कि हम उत्तर प्रदेश से हैं, तो लोग एकदम से चौकन्ने हो कर सजग हो जाते थे, उनको लगता था कि पता नहीं यह व्यक्ति कैसा होगा।

लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस के मामले, दर्ज हुए 4302 एक्टिव केस

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कोरोना वायरस संक्रमण के मामले देश में फिर से बढ़ने लगे है। कोरोना चुपके से अपने पैर पसार रहा है। कोविड 19 के ताजा मामले भारत में 4302 पर पहुंच चुके है। अब तक कोरोना वायरस के कारण कुल 44 लोगों की मौत हो चुकी है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस संक्रमण के कई मामले सामने आ चुके है। कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। देश में अलग अलग राज्य सरकारों ने गाइडलाइन भी जारी की है ताकि कोरोना वायरस के मामलों को फैलने से रोका जाए। स्वास्थ विभाग के आंकड़ों की मानें तो देश में केरल ऐसा राज्य है जहां अब तक कोरोना वायरस के सबसे अधिक मामले दर्ज हुए है। केरल में 1373 मामले कोरोना के सामने आए है। केरल में कुल नौ लोग कोरोना के कारण अपनी जान गंवा चुके है। वहीं दक्षिण भारत के कर्नाटक में भी कोरोना वायरस के 324 एक्टिव मामले है। तमिलनाडु में 216 एक्टिव मामले है। दिल्ली में कोरोना वायरस के 457 एक्टिव मामले सामने आए है। दिल्ली में पांच लोग कोरोना से जान गंवा चुके है। उत्तर प्रदेश में कोविड 19 के 200 से अधिक मामले दर्ज हो चुके है। यहां एक्टिव मामले 201 है। दो लोग कोरोना से उत्तर प्रदेश में जान गंवा चुके है।

बेंगलुरु में मची भगदड़, महिला समेत 7 की मौत, 47 घायल

मृतकों के परिजनों को 10 लाख की अनुग्रह राशि देने की घोषणा

(एजेन्सी)।
बेंगलुरु। आरसीबी की विजय परेड के दौरान बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 47 से ज्यादा लोग घायल हो गए। कुछ क्रिकेट प्रेमी कथित तौर पर चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बेहोश हो गए, जब वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताब जीत के लिए आयोजित विशेष अभिनंदन समारोह में शामिल होने के लिए एकत्र हुए थे। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक ये भगदड़ स्टेडियम के गेट नंबर-1 के पास हुआ है। स्टेडियम पहुंचने से पहले आरसीबी के खिलाड़ी विधान सभा पहुंचे थे। जहां चीफ मिनिस्टर ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने हादसे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैं अभी तक मृतकों या घायलों की सटीक संख्या की पुष्टि नहीं कर सकता, लेकिन मैं मौके पर जा रहा हूं।

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर प्रशंसकों द्वारा कार पर चढ़ने के बाद कार क्षतिग्रस्त हो गई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बड़ी संख्या में प्रशंसक अपनी चैंपियन टीम की एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़े। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ द्वारा सभी आरसीबी खिलाड़ियों के लिए एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बहुत से प्रशंसक एकत्र हुए, लेकिन पुलिस ने घायल व्यक्तियों और बेहोश हुए लोगों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, तत्काल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। इस बीच, बेंगलुरु शहर के कुछ हिस्सों में बारिश हुई, क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बड़ी संख्या में प्रशंसक अपनी टीम का उत्साहवर्धन करने और स्वागत करने के लिए एकत्र हुए। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने सभी आरसीबी खिलाड़ियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया है।

इस बीच, कर्नाटक सरकार ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम को सम्मानित किया, जिसने अपना पहला आईपीएल खिताब जीता, जिससे प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए 18 साल का इंतजार खत्म हुआ। कर्नाटक के राज्यपाल तावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने राज्य विधानमंडल और सचिवालय की सीट, प्रतिष्ठित विधान सौधा के सामने भव्य सीढ़ियों पर रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली टीम को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में, टीम को पारंपरिक मैसूर पेटा (भव्य औपचारिक पगड़ी), शॉल और माला से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को देखने के लिए विधान सौधा के सामने बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए थे। टीम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में कर्नाटक राज्य क्रिकेट अकादमी (केएससीए) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भी भाग लेगी।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया और ट्वीट कर कहा, "बेंगलुरु में हुआ हादसा बेहद दुखद है। जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके साथ मेरी संवेदनाएं हैं। घायल जल्द स्वस्थ हों, यही प्रार्थना है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। इसके अलावा, उन्होंने सभी घायलों के इलाज का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन करने का भरोसा भी दिलाया है। सीएम ने इस घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं और 15 दिन में रिपोर्ट मांगी है।

दिल्ली में केंद्र सरकार ने 1.25 लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं की दी है सौगातः सीएम

'सराय काले खां से आइजीआइ एयरपोर्ट तक बनाई जाएगी टनल'

संजना भारती संवाददाता
नई दिल्ली। राजधानी में वाहनों की भीड़भाड़ को कम करने और प्रदूषण से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को करोड़ों रुपये की सौगात दी है। केंद्र सरकार का सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय अपने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से इन प्रोजेक्ट पर काम करेगा, जिसके अंतर्गत शिवमूर्ति से नेल्सन मंडेला रोड तक अंडरग्राउंड टनल, नई एलिवेटेड रोड और दिल्ली से कटरा और अमृतसर हाइवे जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स बनेंगे, सराय काले खां से आइजीआइ एयरपोर्ट तक टनल का निर्माण, साथ ही प्रमुख सड़कों को सिग्नल-फ्री, ड्रेनेज और साइड लेन का निर्माण और दिल्ली के ठोस कचरे का उपयोग सड़को के निर्माण में किया जाएगा।

रेलवे क्रासिंग के जाम से मुक्ति के लिए ROB और RUB निर्माण को भी मंजूरी मिल गई है। मंत्रालय दिल्ली सरकार को सहयोग देने के लिए वर्तमान व आगामी प्रोजेक्ट के लिए करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये व्यय कर रहा है।

इस मसले पर केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई थी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी और बताया कि इस बैठक के दौरान दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल वीके सक्सेना, केंद्रीय राज्य सड़क एवं परिवहन मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री, सांसद एवं सभी सम्बंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। म

ुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा 35,000 करोड़ रुपये की लागत से कई परियोजनाएं दिल्ली में कार्यान्वित की जा रही हैं। इससे पहले, 64,000 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न प्रोजेक्ट पूरे किए जा चुके हैं। साथ ही, 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू होने वाले आगामी प्रोजेक्ट्स की डीपीआर भी तैयार हो चुकी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी बताया कि दिल्ली में वाहनों की भीड़ को कम करने (डीकंजेस्ट) करने और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं, जिनमे शिव मूर्ति से नेल्सन मंडेला रोड तक लगभग 7 किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड टनल का निर्माण, आईएनए से एयरपोर्ट तक एलिवेटेड रोड, जो आगे फरीदाबाद और गुरुग्राम को जोड़ेगा, इस पर भी एलिवेटेड रोड बनाने का काम शुरू होगा, दिल्ली से कटरा व अमृतसर को जोड़ने वाला हाइवे, जो Urban Extension Road (UER)-II से कनेक्ट होगा और UER-II का दूसरा एक्सटेंशन, जो अलीपुर से ट्रोनिका सिटी और दिल्ली-देहरादून मार्ग को जोड़ेगा। इससे हरियाणा से देहरादून और नोएडा तक बिना दिल्ली में प्रवेश किए यातायात सुगम होगा।

इसके अलावा, सराय काले खां से IGI एयरपोर्ट तक टनल के निर्माण की भी फिजिबिलिटी स्टडी की जा रही है।

दिल्ली में किसी भी झुग्गी को नहीं तोड़ा जाएगाः सूद

संजना भारती संवाददाता
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के '100 दिन विश्वास के, 100 दिन सेवा के' अभियान के तहत 100 दिन की उपलब्धियों को साझा करते हुए गृह, विद्युत, शिक्षा एवं शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। श्री सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार गरीब कल्याण को अपना सर्वोच्च कर्तव्य मानती है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय हमारा संकल्प है और गरीब कल्याण हमारा लक्ष्य है यह नारा केवल बयान नहीं, बल्कि इस सरकार की कार्यशैली का हिस्सा है।

श्री सूद ने बताया कि सरकार ने गरीब और मिडिल क्लास परिवारों के जीवन को सरल बनाने के लिए अनेक योजनाएं प्रारंभ की हैं। दिल्ली की झुग्गी-बस्तियों और निम्न आय वर्ग के लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता दी जा रही है। खासकर उन वर्गों के लिए योजनाएं बनाई गई हैं जिन्हें वर्षों से उपेक्षित रखा गया था। यह सरकार गरीबों की आकांक्षाओं को केंद्र में रखकर योजनाओं का संचालन कर रही है। श्री सूद ने कहा, हमारी सरकार का हर निर्णय गरीब, मजदूर और आम जन की भलाई के लिए है। इन 100 दिनों में हमने दिखा दिया कि यदि सेवा, संकल्प और समर्पण हो, तो बदलाव मुमकिन है।

श्री सूद ने बताया कि बीजेपी सरकार बनते ही सबसे पहले प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बने 2500 मकानों को रहने लायक बनाने की दिशा में काम किया गया। पूर्ववर्ती सरकार ने इन मकानों पर मुख्यमंत्री नहीं लिखा होने के कारण इन्हें गरीबों को नहीं सौंपा था। इस कारण वर्षों से यह मकान खाली पड़े थे और गरीबों को घर का लाभ नहीं मिल पा रहा था। अब 43 करोड़ रुपये की लागत से इन मकानों को फिर से तैयार किया जा रहा है। दिल्ली सावधा बोर्ड के तहत यह निर्माण कार्य गरीबों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि कोई भी गरीब परिवार बेघर न रहे। शिक्षा मंत्री ने बताया कि मैंने पहले भी कहा कि दिल्ली में किसी भी झुग्गी को नहीं तोड़ा जाएगा। हम आज भी इस संकल्प पर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। पहली बार ऐसा हुआ है कि DUSIB में झुग्गीवासियों के उत्थान के लिए ?700 करोड़ का बजट हमने प्रदान किया है। जबकि पिछली सरकार में बजट 31 मार्च की रात 11:50 बजे पेश किया गया, जिससे अगले दिन कोई सवाल भी नहीं पूछा जा सका। आज भी स्थिति यह है कि कई स्थानों पर टॉयलेट की हालत खराब है, स्नानगृह बने ही नहीं हैं। दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में हम पूरी तरह से कटिबद्ध है कि कोई भी झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी। लेकिन कुछ ऐसे नेता राजनीति में बने रहने के लिए अफवाहें फैला रहे हैं।

'निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए 'दिल्ली स्कूल एजुकेशन ट्रांसपेरेंसी बिल' लाया गया'

15 दिनों में ओल्ड एज पेंशन की पेंडेंसी खत्म करेंः मंत्री रविन्द्र इन्द्राज

संजना भारती संवाददाता
नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव एवं सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने सभी जिलों के जिला समाज कल्याण अधिकारियों और संबंधित स्टाफ के साथ बैठक कर ओल्ड एज पेंशन की पेंडेंसी अगले 15 दिनों में खत्म करने के निर्देश दिए। श्री रविन्द्र इन्द्राज ने अन्य योजनाओं के लाभार्थियों तक भी लाभ पहुँचाने में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करने के निर्देश दिए।

बैठक में समाज कल्याण मंत्री ने कहा की उन्होंने जिला कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर लाभार्थियों से चर्चा की, इस दौरान उन्हें शिकायतें मिली हैं। श्री इन्द्राज ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के स्पष्ट निर्देश हैं कि जिला कार्यालय में आने वाले आमजन और लाभार्थियों को पूरी सुविधा मिले, उनके आवेदनों का तय समय में निस्तारण हो और लाभार्थियों को समय से पेंशन मिले।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि नवंबर में ओल्ड एज पेंशन की जो वैकेंसी निकली थी, उनके लंबित मामलों का निस्तारण अगले 15 दिनों के अंदर करें। परिवार सहायता योजना सहित अन्य योजनाओं के लंबित आवेदनों का भी तय समय में निस्तारण हो, यह अधिकारी सुनिश्चित करें। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि विभाग की पेंशन व अन्य योजनाओं के तहत आने वाला वर्ग गरीब और वंचित तबके से है, उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने यह भी कहा की जिला कार्यालय, सरकार का चेहरा हैं। इसलिए कार्यालय आने वाले आवेदकों और लाभार्थियों का अनुभव अच्छा होना चाहिए।

श्री इन्द्राज ने कहा कि वह लगातार विभागों के जिला कार्यालय और मुख्यालय के औचक निरीक्षण करेंगे। उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवेदनकर्ताओं और लाभार्थियों की शिकायतें मिलें तो संबधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर, कार्रवाई करें।

'हरियाणा में श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस का 350वाँ वर्ष भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाया जायेगा'

संजना भारती संवाददाता
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुओं की विरासत को संरक्षित करने तथा उनके जीवन दर्शन एवं आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कुरुक्षेत्र में बनाये जा रहे सिख म्यूजियम तथा संत शिरोमणि गुरु रविदास म्यूजियम के कार्यों को तय समयसीमा में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियां गुरुओं से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दे सकें। मुख्यमंत्री सैनी यहां कुरुक्षेत्र में बनने वाले सिख म्यूजियम और गुरु रविदास म्यूजियम के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र में सिख म्यूजियम का निर्माण इस प्रकार किया जाए कि वह सिख इतिहास, संस्कृति और गुरुओं के योगदान की सम्पूर्ण झलक प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा कि म्यूजियम में हरियाणा राज्य के उन सभी स्थलों की जानकारी अनिवार्य रूप से सम्मिलित की जाए, जहां-जहां सिख गुरुओं ने अपने चरण कमल रखे हैं, ताकि प्रदेश की जनता और विशेषकर युवा पीढ़ी को गुरुओं के आध्यात्मिक, सामाजिक और ऐतिहासिक योगदान की जानकारी प्राप्त हो सके। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि म्यूजियम में सिख गुरुओं द्वारा धर्म की रक्षा, न्याय और मानवीय मूल्यों की स्थापना हेतु मुगल शासकों के अत्याचारों के विरुद्ध लड़ी गई ऐतिहासिक लड़ाइयों को भी यथार्थ रूप में दशार्या जाए, ताकि बलिदान और संघर्ष की वह गाथा सदियों तक प्रेरणास्त्रोत बनी रहे। उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि सिख इतिहास के तथ्यात्मक दस्तावेजीकरण हेतु एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाए, जिसमें अनुभवी इतिहासकार, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर तथा साहित्य अकादमी से जुड़ी विद्वान हस्तियाँ शामिल हों, जो म्यूजियम की विषयवस्तु की प्रामाणिकता और गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकें।

इसी प्रकार, मुख्यमंत्री ने संत शिरोमणि गुरु रविदास म्यूजियम के भव्य निर्माण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस म्यूजियम को न केवल स्थापत्य की दृष्टि से भव्य बनाया जाए, बल्कि इसकी विषयवस्तु भी संत रविदास जी के जीवन दर्शन, आध्यात्मिक विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने वाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक समिति का गठन किया जाए, जिसमें ऐसे विद्वान शामिल हों जो गुरु रविदास जी के जीवन, शिक्षाओं, आदर्शों तथा उनके द्वारा मानवता की भलाई के लिए किए गए कार्यों का गहन अध्ययन एवं अनुशीलन करते रहे हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस का 350वाँ वर्ष आगामी नवंबर माह में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर को बड़े स्तर पर भव्यता और श्रद्धा के साथ मनाने के लिए अभी से योजनाबद्ध तैयारियां आरंभ की जानी चाहिए ताकि यह कार्यक्रम न केवल ऐतिहासिक रूप से यादगार बने बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सिख गुरुओं की अमर गाथा, त्याग और बलिदान का संदेश प्रभावशाली ढंग से पहुंच सके। प्रदेशभर में इस उपलक्ष्य में सेमिनार, यात्राएं एवं अन्य स्मृति आयोजन किए जाएं ताकि समाज को गुरुओं की शहादत एवं बलिदान की गाथा से जोड़ा जा सके।

बैठक में बताया गया कि सिख म्यूजियम के लिए तीन एकड़ तथा गुरु रविदास म्यूजियम के लिए पांच एकड़ भूमि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जा चुकी है। अब इन परियोजनाओं के निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने हेतु आवश्यक प्रक्रियाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अपूर्व कुमार सिंह, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल तथा महानिदेशक के. मकरंद पांडुरंग, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यशपाल यादव, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के महानिदेशक अमित खत्री, एचएसवीपी के मुख्य प्रशासक चंद्रशेखर खरे, मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती, ओएसडी डॉ. प्रभलीन सिंह और कुरुक्षेत्र की उपायुक्त नेहा सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

हरियाणा सरकार ने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में तैयार किया अनुकूल वातावरणः सैनी

संजना भारती संवाददाता
चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में एक अनुकूल और सुदृढ़ औद्योगिक वातावरण तैयार किया है। इसके परिणामस्वरूप हरियाणा न केवल राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उद्योगों और कंपनियों की पहली पसंद बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से आग्रह किया है कि वे हरियाणा में अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित कर प्रदेश की प्रगति और विकास में सक्रिय रूप से भागीदार बनें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार देर सायं अपने निवास स्थान संत कबीर कुटीर पर पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पदाधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश व दिल्ली के प्रमुख उद्योगपति उपस्थित रहे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसी भी प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए सड़क, रेल, हवाई कनेक्टिविटी एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का होना अनिवार्य है। उन्हें गर्व है कि हरियाणा में उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप ये सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। आज प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों की बड़ी कंपनियां अपनी इकाइयां स्थापित कर रही हैं, जिससे हरियाणा के औद्योगिक विकास को मजबूती मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार और उद्योगपतियों के बीच सीधे संपर्क को मजबूत करने तथा उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए सरकार ने कई सुधार लागू किए हैं। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो सिस्टम से आगे बढ़कर सिंगल रूफ सिस्टम लागू किया गया है, जिसके तहत हर सेवा के लिए निश्चित समय सीमा निर्धारित की गई है।

सम्पादकीय

सेना पर सवाल...

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दावा कर रहे हैं कि भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया। आश्चर्य की बात यह है कि एक ओर कांग्रेस 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जश्न मनाने और भारतीय सैन्य बलों के पराक्रम को सलाम करने के लिए देशभर में जय हिंद सभाएं कर रही है तो दूसरी ओर उसके शीर्ष नेता कह रहे हैं कि भारत ने आत्मसमर्पण कर दिया। देखा जाये तो राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जो सीधा हमला किया है वह अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय सैन्य बलों पर भी हमला है क्योंकि युद्ध के मैदान में वही डटे हुए थे। आश्चर्य की बात यह है कि एक ओर पाकिस्तान रोज नये नये खुलासे करते हुए बता रहा है कि भारत ने हमारा ये भी नुकसान कर दिया, भारत ने हमारा वो भी नुकसान कर दिया...मगर राहुल गांधी कह रहे हैं कि भारत ने आत्मसमर्पण कर दिया। लोकतंत्र में एक दूसरे पर राजनीतिक हमले करना स्वाभाविक है लेकिन हर बार सेना के शौर्य पर सवाल उठा देना गलत है। सर्जिकल स्ट्राइक और एअर स्ट्राइक के सबूत मांगने वालों के लिए चूंकि 'ऑपरेशन सिंदूर' के वीडियो पहले दिन से ही सार्वजनिक रूप से मौजूद थे, इसलिए राहुल गांधी ने पूरे ऑपरेशन की सफलता पर ही सवाल उठा दिये हैं। राहुल गांधी का आत्मसमर्पण वाला बयान उस दौरान आया जब भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के 33 देशों की यात्रा के दौरान वहां की सरकारों को आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति से अवगत कराते हुए स्पष्ट कर रहे थे कि अगर हमारी धरती पर आतंकवादी हमले होते हैं तो हम आतंकवादियों और उन्हें प्रायोजित करने वालों को दंडित करना जारी रखेंगे। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि कहीं राहुल गांधी ने भारत के इस कूटनीतिक अभियान को क्षति पहुँचाने के मकसद से तो यह बयान नहीं दिया? सवाल यह भी उठता है कि प्रतिनिधिमंडलों में शामिल विपक्षी नेता जिस तरह भारत का पक्ष दृढ़ता से रख रहे थे कहीं उसको देख कर तो राहुल का गुस्सा नहीं भड़क गया है? सवाल यह भी उठता है कि विदेश दौरों पर भारत की सरकार और संवैधानिक संस्थानों पर सवाल उठाने वाले राहुल गांधी को कहीं विदेशों में भारत की सरकार की बढ़ती स्वीकार्यता तो नहीं चुभ रही थी? 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर सवाल उठाने वाले राहुल गांधी समेत तमाम नेताओं को यह समझना होगा कि किसी भी सूरत में सेना के मनोबल को गिराने का काम कतई नहीं करना चाहिए। ऐसे नेताओं को सरकार की बात पर यकीन नहीं है तो उन्हें सेना की बात सुननी चाहिए जोकि 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरूआत से ही सारी बातें देश को बता रही है। स्वयं सीडीएस भी इस बारे में विस्तार से जानकारी दे चुके हैं। एक दिन पहले पुणे में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने और जानकारी देते हुए बताया है कि पाकिस्तान ने 10 मई की सुबह कई हमले किए, जिनका उद्देश्य भारत को 48 घंटे में शिकस्त देने का था, लेकिन खुद उसने आठ घंटे में ही घुटने टेक दिए थे और शत्रुता समाप्त करने के लिए उसे नयी दिल्ली से संपर्क करना पड़ा था। जनरल चौहान ने कहा था कि पहलगाम आतंकवादी हमले पर भारत की कार्रवाई सीमा पार आतंकवाद के प्रति सहनशक्ति की हद निर्धारित करने के साथ ही इस्लामाबाद के परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करने की थी। सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में अपने संबोधन में जनरल चौहान ने यह बात स्वीकार करने के लिए हो रही अपनी आलोचना को खारिज किया कि ऑपरेशन सिंदूर के प्रारंभिक चरण में भारत ने अनिर्दिष्ट संख्या में लड़ाकू जेट विमान खो दिए। जनरल चौहान ने कहा कि पेशेवर सेनाएं अस्थायी नुकसान से प्रभावित नहीं होतीं, क्योंकि समग्र परिणाम ऐसे नुकसान से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा, मान लीजिए कि आप क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरते हैं और पारी से जीत जाते हैं, तो विकेट और गेंद आदि का सवाल ही नहीं उठता। सीडीएस ने कहा, जब मुझसे हमारी ओर से हुई क्षति के बारे में पूछा गया तो मैंने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि परिणाम और आप कैसे कार्य करते हैं, यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, दस मई को रात लगभग एक बजे, उनका (पाकिस्तान का) लक्ष्य 48 घंटों में भारत को शिकस्त देने का था। कई हमले किए गए और किसी न किसी तरीके से उन्होंने इस संघर्ष को बढ़ा दिया। जबकि हमने वास्तव में केवल आतंकवादी ठिकानों को ही निशाना बनाया था। जनरल चौहान ने कहा कि पाकिस्तान ने सोचा था कि भारत के खिलाफ उसका ऑपरेशन 48 घंटे तक चलेगा, लेकिन वह खुद आठ घंटे में ही अपनी हार मान बैठा। सीडीएस ने कहा, फिर उन्होंने (पाकिस्तान) फोन उठाया और कहा कि वे हमसे बात करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, जब पाकिस्तान की ओर से बातचीत करने और तनाव कम किए जाने का अनुरोध आया तो हमने उसे स्वीकार कर लिया। सीडीएस ने कहा कि युद्ध में यदि नुकसान भी होता है, तो आपको अपना मनोबल बनाए रखना होता है। उन्होंने कहा कि नुकसान महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि परिणाम महत्वपूर्ण हैं। जनरल चौहान ने अभियान में जुड़े जोखिमों के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, आप हर तरह की आकस्मिकता के लिए 100 प्रतिशत तैयार नहीं हो सकते और आपके पास उसके बारे में 100 प्रतिशत जानकारी नहीं हो सकती। हर सैन्य अभियान में जोखिम का तत्व शामिल होता है। बस एक बात यह है कि इसके बारे में एक अनुमान होना चाहिए।

जयंती

गोविंद शंकर कुरुप

जन्म-5 जून, 1901, नायत्तोट, केरल; मृत्यु-2 फरवरी, 1978) 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित मलयाली भाषा के एक प्रसिद्ध साहित्यकार थे। उन्होंने कोचीन राज्य की 'पंडित' परीक्षा पास करके अध्यापन की योग्यता प्राप्त की थी। उसके बाद दो वर्ष तक वे यहाँ-वहाँ अध्यापन कार्य भी करते रहे थे। 'महाकवि' गोविंद शंकर कुरुप की 40 से अधिक मौलिक और अनूदित कृतियाँ प्रकाशित हो चुकी हैं।

पुण्यतिथि

मास्टर मदन

जन्म: 28 दिसंबर 1927, जालंधर, पंजाब-मृत्यु: 5 जून 1942, दिल्ली) भारत की आजादी से पहले के एक प्रतिभाशाली गजल और गीत गायक थे। मास्टर मदन के बारे में बहुत कम लोग जानते है। मास्टर मदन एक ऐसे कलाकार थे जो 1930 के दशक में एक किशोर के रूप में ख्याति प्राप्त करके मात्र 15 वर्ष की उम्र में 1940 के दशक में ही स्वर्गवासी हो गए। ऐसा माना जाता है कि मास्टर मदन को आकाशवाणी और अनेक रियासतों के दरबार में गाने के लिए बहुत ऊँची रकम दी जाती थी। मास्टर मदन उस समय के प्रसिद्ध गायक कुंदन लाल सहगल के बहुत करीब थे जिसका कारण दोनों का ही जालंधर का निवासी होना था।

कल मिलेंगे

मास्टरजी-भैंस पूंछ क्यों हिलाती है?
छात्र-क्योंकि पूंछ में इतनी ताकत नहीं होती कि भैंस को हिला सके...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

आतंकवाद के मुकाबिल बदलती अमेरिकी नीतियों के दृष्टिगत अब भारत को बनानी होगी नई रणनीति?

-कमलेश पांडेय

> स्वाभाविक सवाल है कि आखिर विगत लगभग अढाई दशकों यानी 24-25 वर्षों तक आतंकवाद का भुक्तभोगी देश अमेरिका फिर से आतंकवादियों को मदद देने और पूंजीवादी अंडरवर्ल्ड से जुड़े सफेदपोश अपराधियों-मादक पदार्थों व हथियारों के तस्करों से उन्हें लामबंद कर उनको एक नया और क्रूर सांप्रदायिक आधार प्रदान करने के लिए क्यों आगे बढ़ रहा है

आपको पता होना चाहिए कि दमिश्क/अम्मान से रायटर ने गत 2 जून 2025 दिन सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूत के हवाले से खुलासा करते हुए कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने सीरिया के नए 'आतंकी/जेहादी' नेतृत्व द्वारा हजारों विदेशी जिहादी यानी पूर्व विद्रोही लड़ाकों को राष्ट्रीय सेना में शामिल करने की योजना को अपनी मंजूरी दे दी है, बशर्ते कि यह पारदर्शी तरीके से हो। जैसा कि तीन सीरियाई रक्षा अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि इस योजना के तहत, लगभग 3,500 विदेशी लड़ाके, मुख्य रूप से चीन और पड़ोसी देशों के उइगर, एक नवगठित इकाई, 84वीं सीरियाई सेना डिवीजन में शामिल होंगे, जिसमें सीरियाई भी शामिल होंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या ये लड़ाके अपनी पुरानी मानसिकता से उबर पाएंगे?

उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान को आज तालिबानी जेहादी लड़ाके चला रहे हैं और पाकिस्तान में भी मुस्लिम आतंकवादी लड़ाके सेना का अंग बन चुके हैं जिसकी पुष्टि ऑपरेशन सिंदूर के बाद निकले जनाजे से हुई है। ये तो महज बानगी है। हकीकत यह है कि पूरी दुनिया के शातिर अपराधी कहीं लोकतंत्र के नाम पर, कहीं तानाशाही की आड़ में, कहीं साम्यवाद की छतरी तले और कहीं धर्मांध शासन की छत्रछाया में सेना, पुलिस या अन्य महकमों में घुस चुके हैं और पूंजीवादी टूल्स बनकर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं।

स्पष्ट है कि समसामयिक विश्व में 'आतंकवाद' एक अंतरराष्ट्रीय एजेंडा बन चुका है, जो पूंजीपतियों की शह पर लोकतंत्र को कमजोर करते हुए हथियारों व सुरक्षा उपकरणों के सौदागरों को बेहिसाब मुनाफे की गारंटी देता है। चूंकि इनके वैचारिक क्लोन बहुरूपिया बनकर कहीं अंडरवर्ल्ड के माफिया सरगना और उनके खूंखार अपराधियों के तौर पर, कहीं वामपंथी नक्सलियों के वेश में, कहीं जातीय-सांप्रदायिक-भाषाई शहंशाह के रूप में हर जगह अपनी गहरी जड़ें जमा चुके हैं, इसलिए इनका गोरखधंधा जमने में कभी भी देर नहीं लगती।

चूंकि इसे रोकना भारत के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। क्योंकि दुनिया का थानेदार अमेरिका कभी सोवियत संघ (अब रूस) व उसके सहयोगियों को कमजोर करते हुए उनसे ही रणनीतिक मुनाफा कमाने के लिए बरास्ता पाकिस्तान-अफगानिस्तान-अरब देश इनको प्रोत्साहन व संरक्षण देता आया है, इसलिए इन आतंकवादियों का भविष्य उज्ज्वल है। वैसे तो रूस, चीन और भारत भी अमेरिकी पैंतरे को कमजोर करने के लिए अरब देशों में अपनी स्थिति मजबूत बनाने में जुटे हुए हैं, लेकिन गिरगिट की तरह रंग बदलती अमेरिकी चालों के समक्ष ये लाचार बन जाते हैं। वैसे तो चीन ने पाकिस्तान को साधकर अफगानिस्तान में व रूस ने भारत को साधकर ईरान में अमेरिका को कमजोर कर चुके हैं। इसलिए अमेरिका पाकिस्तान पर पुनः मेहरबानी दिखा रहा है। जबकि 9/11 यानी 11 सितंबर 2001 को संयुक्त राज्य अमेरिका पर कुख्यात आतंकवादी संगठन "अल-कायदा," द्वारा किये गए समन्वित आत्मघाती हमलों की एक श्रंखला से अमेरिका बौखला उठा और आतंकवादियों के खात्मे का निश्चय करके लगभग 24 वर्षों तक उनकी मुखालफत की।

उल्लेखनीय है कि 9/11 को सबेरे, 19 अल कायदा आतंकवादियों ने चार वाणिज्यिक यात्री जेट वायुयानों का अपहरण कर लिया और वर्ल्ड ट्रेड टॉवर को क्षतिग्रस्त कर दिया। यही वजह है कि अमेरिका के खिलाफ अरब देशों में रूस-चीन को एक आधार मिल गया। यही वजह है कि 9/11 के ब्रेक के बाद तेजी से उसके लिए चुनौती बनते जा रहे चीन के खिलाफ अब एक बार फिर से वह अपनी पुरानी आतंकवादियों को मदद देने वाली नीतियों को नया विस्तार देने के मूड में आ चुका है। लिहाजा आतंकवाद के मुकाबिल बदलती अमेरिकी नीतियों के दृष्टिगत अब भारत को नई रणनीति बनानी होगी, अन्यथा आतंकवाद उस पर भारी पड़ जायेगा।

स्वाभाविक सवाल है कि आखिर विगत लगभग अढाई दशकों यानी 24-25 वर्षों तक आतंकवाद का भुक्तभोगी देश अमेरिका फिर से आतंकवादियों को मदद देने और पूंजीवादी अंडरवर्ल्ड से जुड़े सफेदपोश अपराधियों-मादक पदार्थों व हथियारों के तस्करों से उन्हें लामबंद कर उनको एक नया और क्रूर सांप्रदायिक आधार प्रदान करने के लिए क्यों आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया से मिल रही छनी-छनाई खबरों के मुताबिक, अमेरिका फिर से अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकी संगठनों को तैयार कर रहा है। क्योंकि इस बार उसका निशाना चीन है!

हालांकि, इस बात में कोई दो राय नहीं कि यह पुनः बरास्ता पाकिस्तान दक्षिण एशिया में भी पसरेगा, यानी भारत व भारतीय उपमहाद्वीप के अन्य देशों में भी। चूंकि सीरिया में आतंकियों को सबसे अधिक समर्थन देने वाला देश तुर्की है, जो अब पाकिस्तान का सहयोगी है। उधर, अमेरिका व फ्रांस जैसे देश एक बार फिर से पाकिस्तान/तुर्की व सीरिया से भरोसे का सम्बन्ध विकसित करने लगे हैं, ताकि इनके ऊपर रूसी-चीनी प्रभाव को कम किया जा सके। वहीं सवाल यह भी है कि अब जब सीरिया का आतंकवादी शासन चीन में पैंतरा करेगा, तो क्या भारत में असर नहीं पड़ेगा? क्या तुर्की और खाड़ी देश यह गारंटी देंगे कि ये "धर्मभीरु इस्लामिक शैतान" भारत में परेशानी पैदा नहीं करेंगे? वहीं, सबसे सुलगता हुआ सवाल यह है कि क्या भारत व उसके अभिन्न सहयोगी रूस को इस मामले में गंभीर नहीं होना चाहिए? क्या भारत की विदेश नीति केवल भारत के भ्रष्ट, विचारहीन और अभिजात्य (इलीट) लोग ही तय करते रहेंगे? क्योंकि अफगानिस्तान में जो अस्सी और नब्बे के दशक में खेल हुआ, उससे हमारा देश भारत आज तक भी नहीं उबरा है। तब से अब तक आधा से अधिक देश बंदूकों के साये में जी रहा है।

आपको यह भी पता होना चाहिए कि जहां आतंकवादी अमेरिकी पूंजीवादी औजार हैं, वहीं नक्सली चीनी पूंजीवादी हथियार। जबकि अंडरवर्ल्ड सरगना लोकल पूंजीवादी टूल्स। इन सबका एकमात्र मकसद लोकतंत्र यानी संख्या बल की आड़ में पूंजीपतियों के खिलाफ आवाज उठाने वाले नेताओं/उनके भक्त नौकरशाहों के दिलों में भय पैदा करना और अपना कारोबारी हित साधना। इसलिए इनकी मूल प्रवृत्ति को भारतीय दलितों, ओबीसीज, ईडब्ल्यूएस को समझना होगा और अपनी ठोस रणनीति के सहारे इन्हें भारतीय महाद्वीप से दूर रखना होगा, अन्यथा भारत को अशांत रखने, इसे पुनः खंडित करने में दुनियावी पूंजीवादी ताकतें सफल हो सकती हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राम मंदिर के स्वर्ण शिखर की आभा से आलोकित हुआ राष्ट्र

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

> राम राष्ट्र की संस्कृति है, राम राष्ट्र के प्राण है, राम के मंदिर का मतलब भारत का नवनिर्माण है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का स्वर्णिम और ऐतिहासिक अवसर सनातनधर्मियों को कड़े संघर्ष से प्राप्त हुआ है, जिसका 550 सालों से अधिक का इतिहास है। इसमें 70 से अधिक बार का संघर्ष, जिसमें से अधिकतर मुगल आक्रांताओं द्वारा भारतवासियों और हमारे मंदिरों पर हमले का रक्तरजित इतिहास शामिल है

अयोध्या में राम मंदिर संपूर्ण विश्व में रचने-बसने वाले सनातनियों की शताब्दियों की प्रतीक्षा, संयम, धैर्य, अनुशासन और आस्था का प्रतीक है। यह राम नहीं, राष्ट्र मंदिर है। विरोधी भले ही सनातन और राम मंदिर का विरोध करते रहें लेकिन करोड़ों सनातनियों के हृदय में उनके आराध्य भगवान श्रीराम रचते-बसते हैं। भगवान राम के मंदिर को वह अपना पूजा स्थल ही नहीं, बल्कि उसे अपना सबसे बड़ा तीर्थ मानते हैं।

मुख्य मंदिर यानी अपनी जन्मभूमि पर नवनिर्मित मंदिर के भूतल में कोटि-कोटि भक्तों के आराध्य रामलला तो पहले से ही प्रतिष्ठित हैं, अब आगामी पांच जून को इसी मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार के साथ परकोटे के बाकी 6 मंदिरों की भी प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इनमें गणेश, भगवान शिव, देवी भगवती, हनुमान जी, भगवान सूर्य, देवी अन्नपूर्णा और शेष अवतार के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। यह आयोजन अयोध्या के धार्मिक इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने जा रहा है। त्रिदिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 5 जून को गंगा दशहरा के पावन पर्व के दिन पूणार्हुति के साथ संपन्न होगा। श्रीराम दरबार प्रतिष्ठित होने के साथ रामलाल से राजाराम तक की यात्रा पूर्ण होगी। इसी बीच राम जन्मभूमि मंदिर के शिखरों पर सोने की परत चढ़ाने का कार्य हो रहा है। यह कार्य मंदिर की भव्यता में चार चांद लगाएगा।

राम राष्ट्र की संस्कृति है, राम राष्ट्र के प्राण है, राम के मंदिर का मतलब भारत का नवनिर्माण है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का स्वर्णिम और ऐतिहासिक अवसर सनातनधर्मियों को कड़े संघर्ष से प्राप्त हुआ है, जिसका 550 सालों से अधिक का इतिहास है। इसमें 70 से अधिक बार का संघर्ष, जिसमें से अधिकतर मुगल आक्रांताओं द्वारा भारतवासियों और हमारे मंदिरों पर हमले का रक्तरजित इतिहास शामिल है। अनगिनत आन्दोलनों के बाद अंततः 22 जनवरी 2024 के दिन हिन्दू समाज को अपने आराध्य प्रभु श्रीराम को जन्म भूमि पर निर्मित भव्य मंदिर में पुनर्स्थापित करने का गौरव प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य यजमान बनकर मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की। यह दिन भारत की आस्था, अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव की पुनर्स्थापना का दिन के तौर पर अंकित है।

अयोध्या में प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए गोरक्षपीठ की 3 पीढ़ियों का योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। वर्तमान में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस गोरखनाथ मठ के महंत हैं, उसी से अयोध्या के राम मंदिर आंदोलन की शुरूआत हुई थी। योगी जी के गुरु महंत अवेद्यनाथ 12 सितंबर 2014 को ब्रह्मलीन हुए। गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ के पास मंदिर आंदोलन के दौरान दो सबसे अधिक अहम पदों राम जन्म भूमि यज्ञ समिति और राम जन्म भूमि न्यास के अध्यक्ष था। ये दायित्व इस बात का प्रमाण है कि आजादी के आंदोलन के बाद देश की राजनीति की दशा और दिशा बदलने वाले राम मंदिर आंदोलन में उनका क्या कद था? महंत अवैद्यनाथ के गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ थे। योगी आदित्यनाथ भी इस आंदोलन को मुखरता प्रदान करते रहे हैं। वो कहते रहे हैं कि राम मंदिर चुनावी मुद्दा नहीं...मेरे लिए जीवन का मिशन है। 5 जून को प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मंदिर परिसर में उपस्थित रहेंगे। विशेष बात यह है कि 5 जून को मुख्यमंत्री का जन्मदिन भी है।

हिन्दू बहुल देश में प्रभु श्री राम की जन्मस्थली को मुक्त करवाने में जिस तरह के अवरोध उत्पन्न किए गए वे अकल्पनीय हैं। यदि सोमनाथ के साथ ही राम जन्मभूमि का मसला भी तत्कालीन नेहरू सरकार सुलझा लेती तब शायद इसे लेकर राजनीति करने का किसी को अवसर नहीं मिलता। लेकिन आजादी से लेकर आजतक कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। वर्ष 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है। वर्तमान में, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों के कई नेता राम मंदिर और सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानबाजी करने से बाज नहीं आते। स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार संसद में कहा था कि, राम मंदिर का निर्माण राष्ट्रीय स्वाभिमान का मुद्दा है। उनका वह वक्तव्य सही मायने में एक संदेश था जिसमें राजनीति नहीं थी। सही बात तो ये है कि राम मंदिर का विरोध करने वालों ने ही इसे वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा बना दिया। कांग्रेस और अन्य कुछ दल मुस्लिम मतों के कारण इस मुद्दे पर हिंदुओं के न्यायोचित दावों की अनदेखी करते रहे। प्रतिक्रिया स्वरूप इस मामले ने दूसरा मोड़ ले लिया। लेकिन दुर्भाग्य है कि देश की बहुसंख्यक आबादी के आराध्य श्रीराम की जन्मभूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करवाने का कार्य न्यायालय के निर्णय से संभव हो सका। और वह प्रक्रिया भी वर्षों नहीं दशकों तक चली। सबसे बड़ी बात ये हुई कि बाबरी ढांचे की तरफदारी मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ ही साथ धर्मनिरपेक्षता के झंडाबरदार बने हिन्दू नेतागण भी करते रहे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि, शताब्दियों का संघर्ष अब अयोध्या में प्रत्यक्ष साकार रूप में फलीभूत होता दर्शित हो रहा है। भारत के कण-कण में राम हैं। राम मंदिर में राम दरबार के साथ परकोटे के बाकी 6 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की सुप्त आत्मा को जागृत करने का काम करेगी। राम मंदिर के निर्माण से सशक्त राष्ट्र का निर्माण होने वाला है। भारत की जय जयकार दुनिया में हो रही है। यह वास्तव में भारत की सुप्त आत्मा है। यही भारत को दुनिया के अंदर सर्वशक्तिशाली बनायेगी। भारत के प्रत्येक व्यक्ति के मन में जो रामभक्ति है वहीं राष्ट्रभक्ति है। राजनीति तोड़ने का कार्य करती है, धर्म जोड़ता है। राम मंदिर ने देश को जोड़ दिया है। अभी हाल ही में ऑपरेशन सिन्दूर में हमारे सैनिकों ने जिस पराक्रम का प्रदर्शन किया है उससे न केवल शत्रु बल्कि पूरी दुनिया अचम्भित है। ये बढ़ते हुए सशक्त भारत की एक झलक मात्र है।

राष्ट्रीय अस्मिता और अखण्डता भी अयोध्या से जुड़ी है। श्रीराम मंदिर केवल धार्मिक आस्था का प्रश्न नहीं है, इसके साथ भावी सामाजिक संरचना की संकल्पना भी जुड़ी है। व्यक्ति और राष्ट्र का चरित्र निर्माण, कालसापेक्ष किन्तु कालातीत दर्शन और दृष्टि का सृजन बीज राम मंदिर निर्माण और उसकी भव्यता में निहित है। राम मंदिर का दूसरा पहलू राष्ट्र मंदिर के रूप में स्थापित है और इस भावना के अनुरूप यह परिसर आस्था के साथ राष्ट्रीय चरित्र, राष्ट्रीय एकता और समाज निर्माण के प्रति भी महनीय भूमिका का निर्वहन करने को तैयार है।

विश्वभर में रचने और बसने वाले हिन्दू धर्मावलम्बी राम मंदिर की दूसरी प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर उत्साहित हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि 5 जून की तिथि विश्व इतिहास में सदा के लिए अमर रहेगी। श्रीराम मंदिर के शिखर की स्वर्णिम आभा से सम्पूर्ण विश्व में सुख, समृद्धि, शांति, सद्भावना और सहिष्णुता का प्रकाश फैले और भारत फिर एक बार विश्व गुरु के तौर पर स्थापित हो, यही कामना है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

पाकिस्तान मॉडल को भाई ने कहा लव यू, नहीं मानी तो मार दी गोली

(एजेन्सी)। **पाकिस्तान** में 17 साल की सोशल मीडिया इंफ्लूएंशर सना युसूफ की हत्या से हड़कंप मच गया। सना की हत्या जिस वजह से की गई वो बेहद ही हैरान करने वाली है। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में 17 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सना यूसुफ की उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्या की वजह बस इतनी थी कि सना ने एक लड़के का प्रपोजल ठुकरा दिया था। 17 साल की सना बहुत पॉपुलर थी। सना के टिकटॉक पर 7.4 लाख और इंस्टाग्राम पर करीब 5 लाख फॉलोअर्स थे। सना का हत्यारा 22 साल का एक दसवीं पास बेरोजगार लड़का है। जिसे फैसलाबाद से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अफसोस की बात ये है कि जिस दिन सना युसूफ अपना 17वां जन्मदिन मना रही थी। वही दिन उनकी जिंदगी का आखिरी दिन हो गया। कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि ये हमलावर सना का कजिन था और सना को गोली मार दी।

पुलिस का कहना है कि हमलावर ने सना को कई बार प्रपोज किया था। लेकिन सना ने हर बार उसे मना कर दिया। हमलावर मैट्रिक पास और बेरोजगार है। आरोपी ने हत्या की बात कबूल कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने पहले सना से कुछ देर घर के बाहर बात की। फिर घर के अंदर जाकर गोलियां चलाई। सना को बहुत ही नजदीक से दो गोलियां लगी। जिसके बाद उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस्लामाबाद के पुलिस प्रमुख सैयद अली नासिर रिजवी ने एक समाचार सम्मेलन के दौरान कहा कि यह बार-बार अस्वीकार किए जाने का मामला था। लड़का बार-बार उससे संपर्क करने की कोशिश कर रहा था। रिजवी ने कहा कि निर्दयी हत्यारा अब कानून की गिरफ्त में है। उन्होंने कहा कि संदिग्ध यूसुफ के साथ "दोस्त बनना" चाहता था, लेकिन वह बार-बार उससे दूर भागती रही।

पुलिस के अनुसार, हयात ने केवल मैट्रिकुलेशन की पढ़ाई पूरी की थी और वह निम्न-मध्यम आय वर्ग से था, जिसके पास कोई आय का स्रोत नहीं था। जांचकताओं ने कहा कि संभवतः सबूत मिटाने के प्रयास में, उसने शूटिंग के बाद यूसुफ का मोबाइल फोन अपने साथ ले लिया।

17 वर्षीय लड़की की मां द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी में कहा गया है कि शूटर शाम 5 बजे के आसपास पिस्तौल लेकर घुसा और उसकी बेटी को बिल्कुल नजदीक से गोली मार दी। उसे सीने में दो गोलियां लगीं और अस्पताल ले जाने के बावजूद वह बच नहीं सकी। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने एक्स पर पुष्टि की कि आरोपी ने हत्या की बात कबूल कर ली है और हथियार भी बरामद कर लिया गया है, जिससे हत्या में ऑनर किलिंग की प्रारंभिक रिपोर्टें गलत साबित हो गईं।

ऑटोमेकर कंपनी करने वाले है 35000 नौकरियों में कटौती

(एजेन्सी)। **दिग्गज** ऑटोमेकर कंपनी वोक्सवैगन को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। वोक्सवैगन की जर्मनी में 2030 तक अपने कार्यबल को 35,000 कर्मचारियों तक कम करने की रणनीति है। कंपनी ने कर्मचारियों की संख्या कम करने की योजना पर आगे काम करना शुरू कर दिया है। इसे लेकर कंपनी के मानव संसाधन प्रमुख गुन्नार किलियन ने मंगलवार को वोल्फ्सबर्ग में ऑटोमेकर के मुख्यालय में आयोजित वर्क्स काउंसिल की बैठक के दौरान इसकी पुष्टि की है। नौकरी में कटौती किए जाने के फैसले लेकर कहा गया है कि कंपनी ने संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए ये फैसला किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नौकरी में कटौती किए जाने की योजना का मुख्य उद्देश्य संचालन को सुव्यवस्थित करना है। इससे कंपनी अपनी दक्षता को बढ़ाने पर विचार करेगी। बता दें कि यही सोचते हुए कंपनी ने पहले से ही 20,000 से अधिक कर्मचारियों ने अपने अनुबंधों को जल्दी समाप्त करने के लिए सहमति दे दी है। समाचार पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, वोक्सवैगन ब्रांड के 20,000 से अधिक कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेते हुए अपने अनुबंधों को समय से पहले समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की है। इस रिपोर्ट में वोक्सवैगन के वोल्फ्सबर्ग मुख्यालय में हुई कार्य परिषद की बैठक का हवाला दिया गया है। उम्मीद है कि नौकरियों में कटौती ऑटो निमार्ता के जर्मन संयंत्रों में ही की जाएगी, और कंपनी का लक्ष्य यह है कि यह कटौती "स्वीकार्य तरीके" से की जाए, जिसमें प्रभावित लोग शर्तों से सहमत हों।

मलेशिया में भारतीय डेलीगेशन को रोकने की कोशिश नाकाम

(एजेन्सी)। **पाकिस्तान** ने इस्लामी एकजुटता का हवाला देकर भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की मलेशिया यात्रा को बाधित करने का कायराना प्रयास किया, लेकिन कुआलालंपुर ने हस्तक्षेप को खारिज कर दिया था। लेकिन उसकी ये कोशिश पूरी तरह से नाकाम साबित हुई और कुआलालंपुर ने किसी भी किस्म के हस्तक्षेप को खारिज कर दिया। पाकिस्तानी दूतावास ने कथित तौर पर मलेशियाई अधिकारियों से भारतीय प्रतिनिधिमंडल के कार्यक्रम रद्द करने का आग्रह किया था, लेकिन अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया और प्रतिनिधिमंडल को पूरा सहयोग मिला। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने मलेशिया में भारतीय डेलिगेशन को रोकने, उनके कार्यक्रमों को रोकने की भरपूर कोशिश की थी और इसके लिए उसने 'हम भी मुसलमान, आप भी मुसलमान' का पैंतरा चला था। लेकिन मलेशिया ने इस्लामाबाद की भारत और मलेशिया के संबंधों में दखलअंदाजी को साफ शब्दों में ठुकरा दिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जेडीयू सांसद संजय झा ने किया और इसमें बीजेपी सांसद अपराजिता सारंगी, बृज लाल, प्रदान बरुआ और हेमंग जोशी, टीएमसी के अभिषेक बनर्जी, सीपीएम के जॉन ब्रिटास, कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद और पूर्व राजनयिक मोहन कुमार शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने यात्रा को पटरी से उतारने के लिए कश्मीर मुद्दे को उठाने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। मलेशिया के साथ-साथ प्रतिनिधिमंडल ने इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर का भी दौरा किया। यह दौरा विदेश भेजे गए सात भारतीय प्रतिनिधिमंडलों के एक बड़े प्रयास का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य भारतीय धरती पर आतंकवादी हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करना और पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत का रुख प्रस्तुत करना था। इसके साथ ही डेलीगेशन ने आतंक के जवाब में भारत के अभियान ऑपरेशन सिंदूर का भी उल्लेख किया। संजय झा के नेतृत्व वाली टीम भारत लौट आई। मलेशिया की अपनी यात्रा के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने पीपुल्स जस्टिस पार्टी (पीकेआर) के नेताओं से मुलाकात की, जिसमें प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद के मंत्रिमंडल में पूर्व मंत्री वाईबी सिम त्जे तज़िन भी शामिल थे। भारतीय पक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर के उद्देश्यों को रेखांकित किया और आतंकवाद के प्रति भारत की शून्य-सहिष्णुता की नीति की पुष्टि की।

कमल हासन ने ठग लाइफ के सितारों के साथ मंच साझा किया

(एजेन्सी)। अभिनेता कमल हासन ने बुधवार को यहां अपनी आने वाली फिल्म ठग लाइफ के सितारों के साथ मंच साझा किया, लेकिन कन्नड़ पर अपनी टिप्पणी से उपजे विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की। हासन ने मणिरत्नम निर्देशित ठग लाइफ के पीछे की कड़ी मेहनत और इसमें इस्तेमाल तकनीक की अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता पर बात की, जो 5 जून को रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, मुझे पूरे तमिलनाडु राज्य का शुक्रिया अदा करना चाहिए जो मेरे पीछे खड़ा है। हासन के इस बयान को उनकी कुछ दिन पहले की गई इस टिप्पणी की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि कन्नड़ का जन्म तमिल से हुआ है। अभिनेता ने कहा कि उन्हें अपने सार्वजनिक संबोधनों में इस्तेमाल किए गए नारे उइरे, उरावे, तामिझे का महत्व या अर्थ भी पूरी तरह से समझ में आ गया है। तीनों शब्दों का एक साथ इस्तेमाल तमिल के प्रति उनके गहरे प्रेम और उसके साथ उनके गहरे जुड़ाव को दशार्ता है। संयोग से, हासन ने चेन्नई में ठग लाइफ के प्रचार कार्यक्रम में भी इस टैगलाइन का इस्तेमाल किया था, जिस दौरान उन्होंने कन्नड़ पर टिप्पणी की थी। हासन ने दिग्गज फिल्म निर्देशक मणिरत्नम की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह एक सिनेमा ज्ञानी बन गए हैं और वह उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित रहे। अभिनेता ने इस अवसर पर मीडिया का भी आभार व्यक्त किया। कन्नड़ का जन्म तमिल से होने संबंधी टिप्पणी पर कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को हासन की आलोचना की। ठग लाइफ के निमार्ताओं ने कर्नाटक उच्च न्यायालय को सूचित किया कि फिल्म 5 जून को कर्नाटक में रिलीज नहीं होगी, जबकि इसे पूरे देश में प्रदर्शित किया जाएगा। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा कि एक बार की माफी से स्थिति सुलझ सकती थी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को किसी की भावना को ठेस पहुंचाने की सीमा तक नहीं बढ़ाया जा सकता है, खास तौर पर एक जनसमूह की...बोले गए शब्दों को वापस नहीं लिया जा सकता, और उनके लिए केवल माफी मांगी जा सकती है।

आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन का धमाल, ऑरेंज कैप जीतकर रचा इतिहास

(एजेन्सी)। **आईपीएल** 2025 का समापन हो गया है। आरसीबी ने फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार आईपीएल ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं गुजरात टाइटंस के युवा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 18वें सीजन में ऑरेंज कैप जीती। ये अवॉर्ड एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर को मिलता है। उन्होंने सीजन में 15 मैचों में 54.21 की औसत से 759 रन जोड़े। उनके बल्ले से एक शतक और 6 अर्धशतकीय पारियां निकलीं। जीटी एलिमिनेटर से आगे नहीं बढ़ी। सुदर्शन ने जबर्दस्त प्रदर्शन के दम पर डबल धमाल किया। उन्होंने ना सिर्फ ऑरेंज कैप जीतकर इतिहास रच दिया।

दरअसल, सुदर्शन आईपीएल ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 23 साल और 231 दिन की उम्र में ऑरेंज कैप अपने नाम की। सुदर्शन ने जीटी के कप्तान शुभमन गिल का रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। गिल ने आईपीएल 2023 में 23 साल और 263 दिन की उम्र में ऑरेंज कैप हासिल की थी। उन्होंने 16वें सीजन में 17 मैचों में 59.33 की औसत से 890 रन से बनाए, जिसमें तीन सेंचुरी और चार फिफ्टी शामिल हैं। गिल 2025 सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने 15 मैचों में पांच अर्धशतकीय पारियों की मदद से 650 रन जोड़े। उनका औसत 50.00 का रहा।

सुदर्शन इसके अलावा एक आईपीएल सीजन में सुयंक्त रूप से सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 18वें सीजन में 88 चौके ठोके। सुदर्शन ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व धाकड़ ओपनर डेविड वॉर्नर की बराबरी कर ली। वॉर्नर ने आईपीएळ 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से 17 मैचों में 88 चौके मारे थे। लिस्ट में तीसरे नंबर पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने 2011 में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए 86 चौके जमाए। उनके बाद गिल का नंबर है। 2023 में गिल के बल्ले से 85 चौके निकले। इंग्लैंड के बल्लेबाज जोस बटलर पांचवें पायदान हैं, जिन्होंने 2022 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से 84 चौके जड़े, वह अब जीटी का हिस्सा हैं।

पंजाब सरकार नशा छोड़ चुके व्यक्तियों को हुनरमंद बनाने के लिए विशेष प्रोग्राम बनायेगी

मेरी सोच नौजवानों को नशों की दलदल में से निकाल कर उनको लक्षित हुनर विकास के द्वारा उद्यमी बनाना: स्वास्थ्य मंत्री

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई युद्ध नशों विरुद्ध मुहिम के सार्थक नतीजे सामने आ रहे हैं। नशा छुड़ाओ केन्द्रों में इलाज के लिए आ रहे लोगों की संख्या को ध्यान में रखते हुये पंजाब सरकार एक विशेष हुनर विकास प्रोग्राम शुरू करने पर विचार कर रही है जिससे नशा छोड़ चुके व्यक्तियों को फिर से समाज की मुख्यधारा में लाया जा सके।

आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रधान और रोजगार सृजन, हुनर विकास और प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा की अध्यक्षता अधीन हुई मीटिंग, जिसमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. बलबीर सिंह भी मौजूद थे, में यह फैसला लिया गया कि नशों की दलदल में से निकल चुके व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा के साथ जोड़ने के लिए उनको जरुरी हुनर के साथ लैस किया जायेगा।

श्री अमन अरोड़ा ने अधिकारियों को नशा-मुक्ति का इलाज करवा चुके व्यक्तियों के लिए हुनर विकास प्रोग्राम की निगरानी के लिए एक प्रोजैक्ट प्रबंधन यूनिट (पीऐमयू) स्थापित करने के निर्देश भी दिए जिससे इन व्यक्तियों को सफलतापूर्वक समाज की मुख्यधारा में शामिल करके नशों की ओर फिर जाने से रोका जा सके। रोजगार सृजन मंत्री ने पंजाब हुनर विकास मिशन (पीएसडीएम), तकनीकी शिक्षा और औद्योगिक प्रशिक्षण और अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को इलाज करवा चुके व्यक्तियों को समय की माँग अनुसार हुनर के साथ लैस करने के लिए उद्योगों के साथ तालमेल करने के निर्देश देने के इलावा अधिकारियों को डिप्टी कमिशनरों, जिला रोजगार और उद्यम ब्यूरो (डीबीईई) और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ तालमेल करने के लिए भी कहा जिससे नशों से मुक्त हो चुके व्यक्तियों को हुनर प्रदान करने की प्रक्रिया को और ज्यादा सुचारू बनाया जा सके। श्री अमन अरोड़ा ने सम्बन्धित अधिकारियों को हुनर विकास में रुचि रखने वाले नशे का इलाज करवा चुके व्यक्तियों की पहचान करके उनको उचित पेशों का प्रशिक्षण देने के लिए कहा। मिशन डायरैक्टर पीएसडीएम को भी निर्देश दिए कि वह हुनर प्रशिक्षण लेने वाले व्यक्तियों की प्लेसमेंट करवाने के लिए प्रयास करें जिससे उनको समाज की मुख्यधारा में सफलतापूर्वक शामिल किया जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री डा. बलबीर सिंह ने कहा कि राज्य सरकार का मकसद नशों की दलदल में से निकल चुके व्यक्तियों में अच्छी आदतें और हुनर पैदा करना है जिससे उनको सशक्त बनाया जा सके और उनकी नशों की तरफ फिर जाने की संभावना को टाला जा सके। उन्होंने कहा कि मेरी सोच नशों के आदियों को इलाज और लक्षित हुनर विकास के जरिये उद्यमियों में बदलना है।

इस मीटिंग में प्रमुख सचिव रोजगार सृजन, हुनर विकास और प्रशिक्षण अलकनंदा दयाल, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कुमार राहुल, डीआईजी (एएनटीएफ) संजीव रामपाल, आईजी जेल रूप कुमार अरोड़ा, मिशन डायरैक्टर पंजाब हुनर विकास मिशन अमृत सिंह, डायरैक्टर तकनीकी शिक्षा श्री मोनीश कुमार, डायरैक्टर पैंशनज अमनदीप बांसल, डायरैक्टर प्रमोशन आफ इन्फर्मेशन टैक्नोलोजी मोहिंद्र पाल और अन्य सीनियर अधिकारी भी मौजूद थे।

यूपीएससी परीक्षा में 53वां रैंक हासिल करने वाली शिवानी के गांव का आंगनवाड़ी केंद्र बनेगा आदर्श

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने कहा कि सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान के तहत प्रदेश में 531 पंचायतों ने पात्रता मानदंडों को पूरा किया है। यह अभियान सतत विकास लक्ष्य 2 और 3 के अनुरूप है और बेहतर बुनियादी ढांचे तथा थर्ड पार्टी आकलन द्वारा बेहतर पोषण परिणामों को बढ़ावा देता है।

मुख्य सचिव ने गत दिवस एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान की प्रगति की समीक्षा की। गौरतलब है कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण और सामुदायिक विकास में सुधार करना है। साथ ही, इसका मकसद कुपोषण को खत्म करने और विकसित भारत का आधार बनाने के लिए ग्राम पंचायतों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना भी है।

श्री अनुराग रस्तोगी ने कहा कि पानीपत जिले के भोड़वाल माजरी गांव में एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की बेटी शिवानी पांचाल ने इस साल यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 53 हासिल की है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शिवानी और उनकी मां को सम्मानित किया जाएगा और गांव के आंगनवाड़ी केंद्र को आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र में तब्दील किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान के तहत आंगनवाड़ियों के बुनियादी ढांचे, बच्चों की पोषण स्थिति, पूरक पोषण की डिलीवरी आदि पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा और इसी मानदंड के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने कहा कि सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान प्रदेश में पोषण सुरक्षा और सतत विकास हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी जिलों को मूल्यांकन प्रक्रिया में तेजी लाने और आवश्यक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान के तहत नामांकन इस साल 31 जनवरी तक प्रस्तुत किए गए थे। प्रारंभिक स्क्रीनिंग 15 फरवरी तक पूरी हुई।

भाषा उत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों ने शिक्षाप्रद एवं रोचक गतिविधियों का किया प्रदर्शन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रतक गांव में भारतीय भाषा उत्सव के तहत तीसरे दिन विद्यार्थियों को आर्ट, गायन, नृत्य, पेटिंग इत्यादि शिक्षाप्रद एवं रोचक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कला, संस्कृति, गायन, को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य स्कूल प्रधानाचार्य विनोद ढुल की देखरेख में किया गया। अध्यापिका मनिन्द्रजीत कौर ने बच्चों को इस तरह के कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने गायन, पेटिंग, नृत्यकला में बच्चों की प्रशंसा की। अध्यापिका सीमा ने भी विद्यार्थियों को भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर बल, दिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विनोद ढुल व सभी अध्यापको ने बच्चों के प्रयासों व उनकी प्रस्तुतियों और गतिविथियो में सहयोग की सराहना की।

बकरीद को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह

जमुई। जमुई समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिलाधिकारी श्री नवीन और पुलिस अधीक्षक मदन कुमार आनंद की संयुक्त अध्यक्षता में ईद उल जुहा (बकरीद) 2025 पर्व के मद्देनजर विधि व्यवस्था और साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से जिला स्तरीय शांति समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य रूप से जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी जमुई समेत सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं शांति समिति सदस्य के रूप में जिले के गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष बकरीद पर्व 07 जून को मनाया जाएगा, जो 07 से 09 जून तक चलेगा। पुलिस अधीक्षक ने सभी पदाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने क्षेत्रों में शांतिपूर्ण वातावरण में बकरीद पर्व संपन्न कराने के लिए विशेष निगरानी और सतर्कता रखें। शांति समिति की बैठक में सदस्यों ने बकरीद के मौके पर शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल यथावत बनाए रहने हेतु सभी संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कर अपने अनुभव साझा किया और अपने सुझाव दिए। उपस्थित सभी शांति समिति के सदस्यों ने बारी-बारी से अपने क्षेत्र में पूर्व में मनाए गए त्योहारों की स्थिति से अवगत कराया। साथ ही जिला स्तरीय बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन करने एवं भाईचारगी व सौहार्दपूर्ण त्योहार मनाने की बात कही। मौके पर उन्होंने कहा कि हर साल की भांति इस साल भी शांतिपूर्ण वातावरण एवं भाईचारगी के साथ त्यौहार को मनाएं। समुदाय के हर उम्र वर्ग को जिम्मेदार नागरिक की तरह सतर्क रहने की जरूरत है तथा अफवाहों से सावधान रहने की आवयश्कता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक सदभाव बिगाड़ने वालों के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। अगर आप सभी को किसी भी प्रकार की अफवाह या सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट दिखाई देता है तो इसकी सूचना प्रशासन को दें।

वहीं पुलिस अधीक्षक ने अफवाहों पर अंकुश लगाने हेतु कहा कि सोशल मीडिया सहित अन्य सभी माध्यमों की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर किसी प्रकार की अफवाह फैलाई जाती है जो समाज मे समरसता बिगाड़ने का काम करती है तो दोषियों के खिलाफ सख्ती अपनाते हुए कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे वैसे स्थानों पर विशेष निगरानी रखें जहां बकरीद पर्व का सामूहिक नमाज अदा किया जाएगा, ताकि शरारती तत्वों द्वारा किसी प्रकार की बात को लेकर तनाव उत्पन्न करने की कोशिश नहीं कर सके। साथ ही सभी पदाधिकारी और पुलिस अधिकारी को अफवाह फैलाने वाले शरारती तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने और उनके विरुद्ध कार्रवाई करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक खबरों का जांचोपरांत खंडन करना होगा और दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करनी होगी।उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने क्षेत्रों में विधि व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।

पुलिस अधीक्षक ने प्रभारी यातायात को निर्देश दिया कि वे बकरीद पर्व के अवसर पर सभी चौक-चौराहों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर प्रतिनियुक्त ट्रैफिक पुलिस को एक्टिव मोड में रखें और स्वयं भी भ्रमणशील रहकर यातायात व्यवस्था संचालित कराएं।

बैठक में अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला स्तरीय पदाधिकारी, दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी जिला और थाना अध्यक्ष के अतिरिक्त सभी शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

11 सालों में देश ने विकास की नई ऊंचाइयों को छूआ : डॉ. मीनाक्षी शर्मा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। मोदी सरकार की 11 साल उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाना हम सब की जिम्मेदारी है। मोदी सरकार के 11 साल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। 11 सालों में देश ने विकास की नई उंचाईयों को छूआ है।

उपरोक्त विचार मोदी सरकार के 11 साल-संकल्प से सिद्धि तक के कार्यक्रम की असंध मंडल सह संयोजक डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने कहे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की 11 साल में हासिल की गई उपलब्धियों को लेकर बीजेपी कार्यकर्ता और पदाधिकारी जनता के बीच जाएंगे। बूथ से लेकर प्रदेश स्तर पर पार्टी की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूरे माह समाज सेवा के कार्यक्रम होंगे जिसके तहत लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने कार्यकर्ताओं से केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि करनाल में जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर की अध्यक्षता में आयोजित संकल्प सिद्धि तक कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला में अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मीनाक्षी शर्मा ने कहा कि भाजपा अभियान चलाकर जन सेवा के कार्यों के साथ-साथ लोगों को मोदी सरकार के ऐतिहासिक निर्णयों से भी अवगत कराएगी।

खानपुर उत्तरी पंचायत के मुखिया अरुण कुमार सिंह कुशवाहा के अध्यक्षता में किया गया जन आरोग्य समिति का बैठक

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर प्रखंड अंतर्गत खानपुर उत्तरी पंचायत स्थित हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर खानपुर में मुखिया अरुण कुमार सिंह कुशवाहा के अध्यक्षता में जन आरोग्य समिति का बैठक किया गया।

उक्त बैठक में जन आरोग्य समिति का उद्देश्य, जन आरोग्य समिति के सभी सदस्यों का भूमिका पर विस्तार पूर्वक चर्चा पिरामल स्वास्थ्य प्रोग्राम लीडर केशव कुमार के द्वारा किया गया। पंचायत में स्वास्थ्य जांच एवं फाइलेरिया जागरूकता शिविर आयोजन का निर्णय लिया गया। मुखिया अरुण कुमार सिंह कुशवाहा के द्वारा बताया गया कि ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस में समुचित सेवा एवं परामर्श सेवा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए एवं पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 130 को मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र बनाने हेतु चर्चा किये। पीरामल स्वास्थ्य से प्रोग्राम लीडर केशव कुमार के द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण सेवा पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा गया की सभी आशा के द्वारा अपने क्षेत्र में प्रत्येक माह में तीन माता बैठक का आयोजन करना है। तथा पंचायत के अंतर्गत सभी गर्भवती माता का प्रथम तिमाही में पंजीकरण, गुणवत्तापूर्ण सभी चार प्रसव पूर्व जांच सेवा एवं परामर्श, प्रसव पूर्व आपातकालीन तैयारी, गर्भावस्था के दौरान समुचित देखभाल परामर्श, पंचायत अंतर्गत अवस्थित हेल्थ वेलनेस सेंटर पर प्रत्येक माह के 9 तारीख एवं 21 तारीख को एनसी जांच कैंप शिविर का आयोजन, उच्च जोखिम वाले गर्भवती माता का पहचान, समुचित उपचार, देखभाल, परामर्श एवं फॉलो अप सेवा, सभी गर्भवती महिलाओं को आयरन एवं फोलिक एसिड टेबलेट एवं कैल्शियम टेबलेट का वितरण, सत प्रतिशत संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन सेवा, आरोग्य दिवस पर विस्तार से चर्चा किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी राजेंद्र कुमार वर्मा के द्वारा बताया गया कि हेल्थ एवं वैलनेस सेंटर खानपुर में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन असेसमेंट हेतु आवश्यक तैयारी किया जा रहे हैं। इसके साथ ही फाइलेरिया हाथीपांव से ग्रसित लोगों का लाइन लिस्ट सूची उपलब्ध कराने एवं दिव्यांगजन प्रमाण पत्र बनवाने हेतु चर्चा किया गया।

उक्त बैठक में शामिल खानपुर उत्तरी के मुखिया अरुण कुमार सिंह कुशवाहा, सीएचओ राजेंद्र वर्मा, पीरामल स्वास्थ्य से प्रोग्राम लीडर केशव कुमार, प्रोग्राम ऑफिसर संजय कुमार, अवधेश कुमार, सरकारी शिक्षक गणेश प्रसाद सिंह, प्रीति कुमारी, एएनएम रेणु कुमारी, आशा फैसिलिटेटर इंदु कुमारी, शर्मिला भारती, नीलम कुमारी आशा एवं सदस्य उपस्थित थे।

29 को पटना में जुटेंगे नामचीन साहित्यकार

एसबी संवाददाता

पटना। काव्य हिन्दुस्तान अंतरराष्ट्रीय साहित्य समूह पटना हिन्दी साहित्य सम्मेलन 29 जून को आठवां ऑफलाइन कवि सम्मेलन पौधा वितरण, सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

समूह द्वारा भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह, पौधा वितरण, 29 जून को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन पटना में आयोजित किया जा रहा है। इसमें आने वाले आमंत्रित वरिष्ठ साहित्यकार एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ पटना से पधार रहे हैं।

संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापिका रेखा शर्मा 'स्नेहा' ने देश-विदेश से साहित्यकारों का आह्वान किया है। इसमें देश के बहुत सारे साहित्यकारों की स्वीकृति प्रदान हुई है। यह संस्था द्वारा आयोजित आठवां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह आयोजित होगा। इस कार्यक्रम की व्यवस्थापक विभा रानी श्रीवास्तव द्वारा संपन्न होगी। संस्थापिका एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा शर्मा 'स्नेहा' ने आप सभी साहित्यकारों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया है। इस कवि सम्मेलन की संचालन हास्य व्यंग्य के चर्चित हस्ताक्षर सीताराम शेरपुरी करेंगे।

विभिन्न योजनाओं के तहत विभाग के द्वारा तकरीबन 60 लाख पौधे लगाए जाएंगे : लाल चंद कटारूचकक

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। राज्य में पौधारोपण की प्रक्रिया पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए वन एवं वन्य जीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने सेक्टर-68 स्थित फॉरेस्ट कॉम्प्लेक्स में एक समीक्षा बैठक के दौरान पौधों की सही देखभाल और रखरखाव पर जोर दिया।

इस अवसर पर मंत्री को योजना जानकारी दी गई कि विभिन्न योजनाओं के तहत विभाग के द्वारा तकरीबन 60 लाख पौधे लगाए जाएंगे। राज्य में पौधारोपण से जुड़ा यह अभियान इस वर्ष 1 जुलाई से शुरू होगा। इसके अतिरिक्त इस वर्ष 382 नानक बगीचियाँ और 52 पवित्र वन स्थापित किए जाएंगे। साथ ही 331 हेक्टेयर संस्थागत क्षेत्रों में भी पौधे लगाए जाएंगे। ट्यूबवेलों के आसपास पौधे लगाने के संबंध में मंत्री को जानकारी दी गई कि राज्य में मौजूद 13.66 लाख ट्यूबवेलों में से लगभग 94% पर पौधे लगाए जा चुके हैं।

मंत्री ने विभाग द्वारा चंडीगढ़-फगवाड़ा मार्ग पर किए गए उत्कृष्ट पौधारोपण कार्य की सराहना की और अधिकारियों को लुधियाना-चंडीगढ़ मार्ग पर भी इसी प्रकार ध्यान केंद्रित करने को कहा। साथ ही यह निर्देश भी दिए कि जहाँ-जहाँ पौधे लगाए गए हैं, वहाँ यदि कोई पौधा मुरझा कर नष्ट हो चुका हो, तो उसे हटाकर वहाँ नया पौधा लगाया जाए। मंत्री ने इस मौके पर मौजूद अधिकारीयों को सभी विभागीय परियोजनाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये और पौधे लगाने के अभियान में लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी कहा।

इस अवसर पर अन्य के अतिरिक्त वन एवं वन्य जीव संरक्षण विभाग के सचिव प्रियांक भारती, प्रमुख मुख्य वनपाल (फॉरेस्ट फोर्स प्रमुख) धर्मिंदर शर्मा, एपीसीसीएफ सह सीईओ पनकैंपा सौरव गुप्ता, एपीसीसीएफ (प्रशासन) बसंता राज कुमार, सीसीएफ (हिल्स) निधि श्रीवास्तव, सीसीएफ (वन्यजीव) सागर सेतिया, सीएफ शिवालिक सर्कल श्री कन्नन, डीएफओ मोहाली कंवरदीप सिंह तथा अन्य डीएफओ उपस्थित थे।

बेगूसराय के मंसूरचक में ईडी की छापेमारी से मचा हड़कंप

एसबी ब्यूरो

मंसूरचक/बेगूसराय। अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार सुबह बेगूसराय जिले में दो युवकों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग और बेहिसाब संपत्ति के मामलों से जुड़ी हो सकती है। जांच एजेंसी को दोनों युवकों की आर्थिक गतिविधियों को लेकर कई संदिग्ध लेन-देन के सुराग मिले थे। बेगूसराय जिले के मंसूरचक थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह कार्रवाई समसा एक पंचायत के वार्ड 13 निवासी अविनाश कुमार और रजनीश कुमार राजा के आवासों पर की गई है। जानकारी के अनुसार अविनाश और रजनीश पहले बेगूसराय में फ्लिपकार्ट कंपनी के लिए काम करते थे, लेकिन लगभग दो वर्ष पूर्व वे दिल्ली चले गए थे। दिल्ली से उनका जम्मू-कश्मीर और पंजाब में लगातार आना-जाना लगा रहता था। मंगलवार सुबह 10 से 15 वाहनों के काफिले के साथ ईडी की टीम जब इन युवकों के घर पहुंची, तो स्थानीय लोग इस अचानक हुई कार्रवाई से अचंभित रह गए।

ईडी की इस छापेमारी के पीछे का सटीक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है,लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि यह किसी बड़े वित्तीय मामले की जांच के सिलसिले में की गई है। फिलहाल, दोनों घरों में तलाशी अभियान जारी है और ईडी की टीम महत्वपूर्ण दस्तावेजों की गहनता से जांच कर रही है।

इस कार्रवाई से पूरे मंसूरचक क्षेत्र में गहमागहमी का माहौल बना हुआ है। लोगों में तरह तरह की चचाएं हो रही है।

नाम बदलकर कांग्रेस की योजनाओं को चला रही है केंद्र सरकार: सार्जन

एसबी संवाददाता

बेगूसराय। कांग्रेस पार्टी के बेगूसराय जिला अध्यक्ष अभय कुमार सिंह सार्जन ने मटिहानी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चाक गांव में विपिन मिश्रा के दरवाजे पर मटिहानी प्रखंड अध्यक्ष रामानुज कुमार द्वारा आयोजित किसान चौपाल में आम लोगों को संबोधित करते हुए कहा डबल इंजन की सरकार ने सभी योजनाएं हो बहु चला रखी हैं जो कभी कांग्रेस की योजना थी। लेकिन मोदी जी या नीतिश ने नाम को बदलकर अपनी योजना बताकर अपना पीठ थपथपाना जोर-जोर से शुरू कर रखा है। इंदिरा आवास योजना वृद्धावस्था पेंशन योजना भोजन के अधिकार सूचना के अधिकार शिक्षा के अधिकार स्वास्थ्य के अधिकार मनमोहन सिंह की सरकार द्वारा गरीबों के हित में लाई गई कई जनहितकारी योजना लोकसभा विधानसभा चुनाव के समय बिहार के गलियारों में रेस पकड़ लेती है। जबकि चुनाव बीत जाने के बाद किसान एक बोरी अदद यूरिया डीएपी पोटाश के लिए तरस जाते हैं।

उन्हें फसल बीमा की राशि नहीं मिल पाती है। ऋण माफी की बात तो कोसों दूर चली गई है। आने वाले चुनाव में कांग्रेस पार्टी समर्थित इंडिया गठबंधन की सरकार आप लोग बनाएं तो किसान महिला बुजुर्ग युवा सभी खुशहाल बनेंगे।

आज की तारीख में हर तरफ भ्रष्टाचार है बिना चढ़ावा दिए एक भी कार्य संपादित नहीं हो रहे हैं कांग्रेस आपसे वादा करती है की मटिहानी दियारा क्षेत्र में रिंग बांध शामहो पुल जैसे अति महत्वपूर्ण कार्य अधूरे नहीं हर कीमत पर पूरे होंगे।

मौके पर किसान युवा महिलाएं भारी संख्या में उपस्थित रहे चौपाल कार्यक्रम को नवीन सिंह, अमित कुमार, जितेंद्र झा, शंकर सिंह, बबलू सिंह, चंद्र मौली सिंह, लक्ष्मी शाह, गोरेलाल, मोहन सिंह आदि ने संबोधित किया।

कृषि मंत्री का एपल गार्डन और सब्जी मंडी का दौरा

प्राकृतिक खेती से जमीन के साथ-साथ लोगों की सेहत भी सुधरेगी: कृषि मंत्री राणा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्राकृतिक खेती समय की मांग है। इससे जमीन के साथ-साथ लोगों की सेहत में भी सुधार होगा। जहरीला अनाज खाने से लोगों की सेहत भी खराब हो रही हैं और वे गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

कृषि मंत्री जीटी रोड पर लवली नर्सरी में एपल गार्डन का दौरा करने के बाद पत्रकारों से कहा कि इस नर्सरी में बागवानी पौधों की पौध तैयार की जाती है जिसे देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में परंपरागत खेती में बदलाव आया है। मछली पालन के साथ-साथ बागवानी और डेयरी क्षेत्र में भी किसानों का रुझान बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में सबसे अधिक योगदान कृषि का है। श्री राणा के अनुसार उत्तम खेती, मध्यम व्यापार, अधम चाकरी और भीख निदान कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि खेती को सबसे अच्छा काम बताया। सरकार को प्रयास है कि खेती का और अधिक विकास हो।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोर भी प्राकृतिक खेती पर है। इससे जमीन की सेहत भी सुधरेगी और लोगों का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। डीएपी, यूरिया और कीटनाशकों को बार-बार प्रयोग करने से जमीन की उपजाऊ शक्ति घटती है और पैदावार पर भी विपरीत असर पड़ता है। ऐसे अनाज का उपयोग करने से लोगों के स्वास्थ्य पर भी खराब हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के प्रति पूरी तरह से गंभीर हैं। प्राकृतिक खेती में देशी गाय के गोबर का इस्तेमाल भी होता है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के एक एकड़ जमीन है, उन्हें भी देशी गाय की खरीद पर सब्सिडी देने का प्रावधान किया गया है। गाय के गोबर व मूत्र से बनी खाद प्राकृतिक खेती के लिए सर्वोत्तम मानी जाती है। सरकार ने हाल ही में खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की है। इससे किसानों का फायदा होगा।

एक प्रश्न पर कहा कि आज युद्ध का तरीका बदल गया है, इसमें प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल हो रहा है। भारत की लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ है, न कि पाकिस्तान की जनता के साथ। पाकिस्तान की सेना में आतंकवादियों का साथ दिया। इसी कारण वहां के एयरबेस पर भारत को हमला करना पड़ा। पाकिस्तान की सेना आतंकवादियों से मिली हुई है। पाकिस्तान की विदेश नीति पाकिस्तान की सेना के अधिकारी बनाते हैं। जब तक इस वहां की सेना राजनीति में शामिल रहेगी तब तक वहां के हालात नहीं सुधर सकते।

इससे पहले उन्होंने नर्सरी का दौरा कर सेब की विभिन्न किस्मों के बारे में जानकारी प्राप्त की और सेब का स्वाद चखा। फ्रूट एंड वेजिटेबल एफपीओ प्राइवेट कंपनी लि. की ओर से मंत्री को दस सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। इस मौके पर श्री राणा ने पौधारोपण भी किया। कृषि मंत्री को इस अवसर पर स्मृति चिह्न के रूप में हल भेंट किया गया।

नर्सरी संचालक नरेंद्र चौहान ने मंत्री को सेब की विभिन्न किस्मों की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के उप कुलपति डा. एसके मल्होत्रा, कृषि उपनिदेशक डा. वजीर सिंह, जिला भाजपा अध्यक्ष प्रवीण लाठर, नर्सरी संचालक नरेंद्र चौहान आदि मौजूद रहे।

महिलाओं का आर्थिक रूप से स्वतंत्र व आत्मनिर्भर होना जरूरी: कल्याण

महिलाएं देश की प्रगति में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका: विजया राहटाकर

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा राज्य महिला आयोग द्वारा मंगलसेन ऑडिटोरियम में 'मेरा राष्ट्र, मेरी जिम्मेदारी' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण व राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटाकर बतौर मुख्य अतिथि तथा स्थानीय विधायक जगमोहन आनंद, मेयर रेनू बाला गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीन लाठर ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। अध्यक्षता हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने की।

इसमें हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि देश की मजबूती के लिए विकास के साथ-साथ नागरिकों का जागरूक, परिश्रमी और मेहनती होना भी जरूरी है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि राष्ट्रीय व राज्य महिला आयोग इस दिशा में उचित कार्य कर रहे हैं। उन्होंने झांसी की रानी, अहिल्याबाई होल्कर, कल्पना चावला, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और कर्नल सोफिया व कर्नल व्योमिका जैसी वीर महिलाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत का इतिहास और संस्कृति को हमेशा महिलाओं से प्रेरणा मिलती रही है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरियाणा की भूमि से ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरूआत की थी जिसके सफल परिणाम देखने को मिल रहे हैं। प्रदेश में लिंगानुपात में काफी सुधार आया है। श्री कल्याण ने कहा कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले एक अच्छे वातावरण की आवश्यकता है। एक विकसित राष्ट्र का सपना तभी साकार होगा जब हर महिला आर्थिक रूप से स्वतंत्र व आत्मनिर्भर होगी।

उन्होंने कहा कि महिला शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को मिले 33 प्रतिशत आरक्षण को निर्णय लिया गया है जिससे राजनीति में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश के विकास के लिए जीएसटी, यूपीआई और एक देश एक राशन कार्ड जैसे कई बदलाव किए गए है। वे एक राष्ट्र एक चुनाव का समर्थन करते हैं। इससे देश का समय और संसाधन बचेगा, जो वर्तमान में बार-बार होने वाले चुनावों में व्यर्थ होता है।

आयुष विभाग द्वारा 810 प्रतिभागियों को करवाया गया योग प्रॉटोकॉल का अभ्यास: डॉ सतपाल

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। आयुष विभाग के जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ0 सतपाल ने बताया कि आयुष विभाग के महानिदेशक संजीव वर्मा के आदेशानुसार तथा उपायुक्त उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में तथा जिला करनाल की नोडल अधिकारी नगराधीश मोनिका के दिशा निर्देशन में जिला करनाल में 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफलतापूर्वक मनाने के लिए विभागीय निदेर्शानुसार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

आयुष विभाग के योग विशेषज्ञ डॉ अमित पुंज ने बताया कि 4 जून को आयुष विभाग द्वारा दो कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें प्रथम कार्यक्रम सेक्टर-12, करनाल के फव्वारा पार्क में आयोजित किया गया जिसमें 96 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में नगर निगम के पार्षद अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे। इसी प्रकार दुसरा कार्यक्रम जिला कारागार करनाल में आयोजित किया गया जिसमें 714 कैदियों ने भाग लिया।

पहला कार्यक्रम जो कि सेक्टर-12 करनाल के फव्वारा पार्क आयोजित किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर व मौजूदा पार्षद राजेश अघी, पार्षद अमृत जोशी, पार्षद संजीव मेहता, युवा पार्षद आशया कुमार, पार्षद सुदेश रानी, सुधीर यादव, पूर्व पार्षद वीर विक्रम तथा नगर निगम से गुरुदेव जी इत्यादि विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ अमित द्वारा ऊं के पवित्र उच्चारण के साथ का करवाया गया। मेरा मिशन स्वस्थ भारत के संस्थापक दिनेश गुलाटी एवं उनकी टीम की महिला प्रमुख नीलम बठला, निधि गुप्ता, एनफ चौधरी, राधिका भाटिया, कोमल कंबोज, नरेंद्र खोखर, रामपाल जी ने मंच पर योग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन किया जिसमें आसनों, प्राणायाम, ध्यान का अभ्यास करवाया गया एवं प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

इस कार्यक्रम में आयुष विभाग से ब्लॉक इंचार्ज डॉ नितिन रोहिला, फार्मासिस्ट नरेश, जोगिंदर, आयुष विभाग के योग सहायक एवं योग इंस्ट्रक्टर भी मौजूद रहे।

दुसरा कार्यक्रम जिला कारागार करनाल में जेल अधीक्षक जिला कारागार लखबीर सिंह बराड़ की अध्यक्षता में तथा डीएसपी चरण सिंह, डीएसपी शैलाक्षी भारद्वाज व डीएसपी विवेक सांगवान की देखरेख में जिला कारागार 31 मई से 21 जून तक आयुष विभाग द्वारा विशेष योग शिविर लगाया जा रहा है। जिसमे 4 जून को 714 कैदियों ने भाग लिया जिसमें योग सहायक गीता दहिया, कुसुम रानी द्वारा महिला कैदियों को तथा मुकेश व सोनू पाल द्वारा पुरुष कैदियों को अंतर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल का नियमित अभ्यास करवाया जा रहा है।

आयुष विभाग के ब्लॉक इंचार्ज डॉ नितिन रोहिला ने बताया कि 5 जून को ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेक्टर 7 करनाल में प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक अंतरराष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेने के ऑनलाइन पंजीकरण करें आमजन: डीसी प्रीति

उपायुक्त कैथल प्रीति।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि आगामी 21 जून को 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम अतिरिक्त अनाज मंडी में आयोजित होगा। इस अवसर पर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आयुष विभाग ने विशेष ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल और टोल-फ्री नंबर जारी किया है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी योग दिवस पर लोगों की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए, ताकि जन-जन तक योग का संदेश पहुंचे।

डीसी ने बताया कि आयुष विभाग ने www.internationalyogadayhry.in विशेष पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके साथ ही 9501131800 मोबाइल नंबर पर मिस कॉल करके भी अपना पंजीकरण कर सकते हैं। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों में योग दिवस के आयोजन की व्यापक तैयारी और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। खास तौर पर शिक्षण संस्थानों को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने के लिए कहा गया है।

डीसी प्रीति ने कहा कि योग हमारी दिनचर्या में शामिल होना चाहिए। हर रोज कुछ समय अपने लिए जरूर निकाले, ऐसा करने से आपका शरीर स्वस्थ होगा और काम करने में मन लगेगा।

तनाव प्रबंधन में अनुलोम विलोम, भ्रामरी प्राणायाम उपयोगी: डॉ. शकुंतला दहिया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां को लेकर कैथल शहर के प्रमुख वार्डो में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर आयोजन किया गया। इनमें नगरवासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया ने बताया कि जीवन को अगर निरोगी रखना है तो प्रतिदिन प्रातः वेला में जल्दी उठकर करके नियमित योगाभ्यास को अपनाना होगा, क्योंकि पूरा दिन लोग किसी न किसी कार्य में लगे रहते है, परन्तु अपने शरीर के लिए समय नहीं मिल पाता। जिससे दिनचर्या बिगड़ने एवं शारीरिक कसरत न करने से स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। उन्होंने कहा कि तनाव प्रबंधन में अनुलोम विलोम, भ्रामरी प्राणायाम बहुत ही उपयोगी हैं। डॉ. शकुंतला दहिया ने बताया आयुष विभाग द्वारा आयुष योग सहायकों के माध्यम से तथा योग क्षेत्र में कार्य कर रही योग संस्थाओं पतंजलि योग समिति, भारतीय योग संस्थान, महिला पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान कैथल के सहयोग से वार्डो में बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों को योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का अभ्यास करवाया गया।

वार्ड नंबर सात के आरकेएसडी कॉलेज में सतपाल भारद्वाज, सत्यवान, रवि कुमार ने, वार्ड नंबर 21 के लाला लाजपत राय पार्क में कृष्ण गर्ग एवं योग सहायक करनैल सिंह, नरेश ढुल ने, वार्ड नंबर 18 आईटीआई में रामविलास, सतीश, संदीप ने, वार्ड नंबर आठ के जाट कॉलेज में सूबे सिंह राविश, संदीप चहल, संजू आर्या, वार्ड नंबर 10 की हनुमान वाटिका पार्क में जिला प्रभारी शांति चौधरी एवं विजय कुमार, देवेंद्र योग ने, वार्ड नंबर सात के सन सिटी में अनिल राणा, सीमा कुमारी, नरेश ने, वार्ड नंबर 16 में सैनी धर्मशाला में रामचरण जिला प्रभारी एवं संदीप राजराणा ने तथा वार्ड नंबर 21 के मॉडल टाउन में अनिल गर्ग व विवेक कुमार, कनिका, सुखदेव द्वारा योग शिविर आयोजित किए गए।

योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर में दिनचर्या, आहारचर्या को सुधारने पर विशेष चर्चा की गई एवं सूक्ष्म व्यायाम, योगासन एवं प्राणायाम, ध्यान का अभ्यास करवाया गया। इसके अलावा वार्डो में आयोजित शिविरों में 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में भी लोगों न्योता दिया गया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया वृद्धाश्रम और बाल उपवन का औचक निरीक्षण

एसबी संवाददाता

कैथल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष मैहला ने बुधवार को कमेटी चौक स्थित वृद्धाश्रम और बाल उपवन सनातन धर्म मंदिर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर उनके खाने पीने और साफ सफाई के बारे में जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहां मौजूद वृद्धजनों और बच्चों से उनका हालचाल जाना और उनकी समस्याओं के बारे में बातचीत की। इस औचक निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव कंवल कुमार मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की हेल्पलाइन नंबर 01746-235759 पर किसी भी तरह की कानूनी या सामाजिक समस्या के बारे में भी बात कर सकते हैं।

परिवार, समाज व देश के भविष्य को खतरे में डालता है नशा: एसपी आस्था मोदी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला कैथल को नशा मुक्त बनाने के लिए एसपी आस्था मोदी के आदेशानुसार कैथल पुलिस द्वारा विशेष अभियान तहत आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक किया जा रहा है। अभियान में पुलिस युवाओं को नशे से दूर रखने तथा खेलों से जोड़ने के लिए खेल गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहित कर रही है।

अभियान के माध्यम से पुलिस का उद्देश्य आमजन को नशे की बुराइयों से अवगत कराना तथा नशे के आदी युवाओं को समाज की मुख्यधारा में जोड़ना है। एसपी आस्था मोदी ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा, जो देश के भविष्य है। नशा परिवार, समाज सहित देश के भविष्य को खतरे में डालता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त अभियान के सार्थक परिणाम सामने आ रहे है तथा जिला के अनेक युवा खेलों की ओर आकर्षित हो रहे है। जिला पुलिस से नशा जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर, महिला सिपाही किस्मत, एसपीओ राजपाल तथा एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील, एसपीओ प्रदीप कुमार की टीम द्वारा बुधवार को गांव कांगथली, कक्हेड़ी, भुना व सैर में युवाओं सहित आमजन को नशा न करने के बारे में जागरूक किया गया तथा नशा न करने की शपथ भी दिलाई गई। डीएसपी कुलदीप बेनीवाल ने आमजन से आह्वान करते हुए कहा कि सभी नशा मुक्त भारत अभियान में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि नशे का कारोबार करने वालों की सूचना डायल 112 पर पुलिस विभाग को दें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत नगर निगम ने क्षमता निर्माण प्रशिक्षण गतिविधि की आयोजित, सेनीटेशन स्टाफ को दिया प्रशिक्षण

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत रोजाना गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। बुधवार को नगर निगम कार्यालय में क्षमता निर्माण प्रशिक्षण गतिविधि आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार ने की।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण गतिविधि को लेकर नगर निगम के सफाई निरीक्षक, सहायक सफाई निरीक्षक, दरौगा, सुपरवाईजर, स्वास्थ्य स्वच्छता निरीक्षक, मोटीवेटर तथा नगर निगम के स्टाफ को स्त्रोत पृथक्करण, एकल प्रयोग प्लास्टिक का प्रयोग न करना, प्लास्टिक रिसाईकिल, पर्यावरण अनुकूल वस्तुएं प्रयोग करना, हानिकारक पॉलीथिन की जगह कपड़े या जूट के बैग इस्तेमाल करना तथा कला के जरिए बेकार प्लास्टिक से सुंदर चीजें बनाना इत्यादि को लेकर क्षमता निर्माण किया गया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी दिनचर्या से एकल प्रयोग प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करना होगा। इसकी शुरूआत हमें स्वयं से ही करनी होगी। इसके बाद हमें अपने घर, परिवार, गली, समाज व मौहल्ले में नागरिकों को हानिकारक प्लास्टिक व पॉलीथिन का विकल्प इस्तेमाल में लाने के लिए जागरूक करना होगा।

उन्होंने बताया कि प्लास्टिक कचरे को कम करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्लास्टिक कप, प्लेट, कटलरी, स्ट्रॉ और रैपर सहित कुछ एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाया गया है। पर्यावरण पर एकल प्रयोग प्लास्टिक के कारण गंभीर दुष्प्रभाव पड़ता है। यह समुद्र और लैंडफिल में इकठ्ठा होकर इसे दूषित करता है, जिसकी वजह से मिट्टी, पानी और हवा भी प्रदूषित हो जाती है। इसके प्रयोग के कारण जहरीले रसायन वातावरण में फैल जाते हैं, जिससे कई हानिकारक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एकल प्रयोग प्लास्टिक प्रदूषण का पर्यावरण, मुनष्य स्वास्थ्य और वन्य जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

उन्होंने शहरवासियों से भी अपील करते कहा है कि वह प्लास्टिक पॉलीथिन की जगह कपड़े या जूट के थैलों का प्रयोग करें। खरीददारी के लिए बाजार जाते समय भी घर से थैला लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि दुकानदारों से भी अपील की कि एकल प्रयोग प्लास्टिक शहर में पूर्णतः बैन है, वह इसका न इस्तेमाल करें और न ही ब्रिकी करें। उन्होंने कहा कि नगर निगम की टीमें सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों के तहत सभी बाजारों में जाकर दुकानदारों व रेहड़ी-फड़ी वालों को पॉलीथिन का इस्तेमाल न करने को लेकर कई बार जागरूक कर चुकी है, परंतु बार-बार समझाने के बावजूद भी अगर कोई दुकानदार एकल प्रयोग प्लास्टिक को उपयोग में लाता है, तो नगर निगम उस पर कार्रवाई करेगा।

एम.एम.पब्लिक स्कूल में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। भारत विकास परिषद शाखा असंध की ओर से करनाल रोड स्थित एम.एम. पब्लिक स्कूल में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सर्वजीत सिंह विर्क और सुखप्रीत कौर के तत्वावधान में आयोजित किया गया। जिसमें उन्होंने बदलती जीवनशैली में मनुष्य को होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और उनके समाधान के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर विक्रमजीत, हरसिमरनपाल सिंह, नरेंद्रपाल सिंह, दलजीत कौर, सर्वजीत सिंह विर्क और सुखप्रीत कौर ने शिविर में विशेष भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में भारत विकास परिषद शाखा असंध के अध्यक्ष आर. वी. भारद्वाज द्वारा सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया गया।

इस स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 68 लोगों की जांच की गई और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर एडवोकेट नरेंद्र शर्मा, डॉ. प्रवीण खोखर, राम अवतार जिंदल, मीनू, रामकुमार गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला कारागार में लीगल सर्विसज कैंप आयोजित

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला कारागार में लीगल सर्विसज कैंप का आयोजन किया गया।

कैंप में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन ने बताया कि जेल में कई बंदी ऐसे है जिनके पास आधार कार्ड नहीं है या उनमें आधार कार्ड में किसी प्रकार के बदलाव की आवश्यकता है।

आधार कार्ड की जरूरत को देखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कैंप का आयोजन किया गया है। जिसमें एडीसी ऑफिस से साहिल ने कारागार में बंदियों के आधार कार्ड बनाए व जिन बंदियों के आधार कार्ड में बदलाव की जरूरत थी नियम अनुसार वह बदलाव किए गए।

इसके अलावा सीजेएम डॉ. इरम हसन ने कारागार में बंदियों को प्रदान की जा रही मेडिकल सुविधाओं, भोजन, कैंटीन इत्यादि का भी निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।